OM-7- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 09/06/2021 10:08 AM Page 1

ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -23 अंक - 7 जुलाई -I-2021 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

ब्रह्माकुमारी मोहिनी बनीं ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी मुन्नी दीदी सहित अन्य तीन बहनों को संयुक्त मुख्य प्रशासिका के रूप में किया गया नियुक्त

शांतिवन | ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी को संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका बनाया गया है। संस्थान की पूर्व अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ईशू दादी के देहावसान के बाद यह पद रिक्त था। यह महत्वपूर्ण निर्णय संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी की अध्यक्षता में मैनेजमेंट

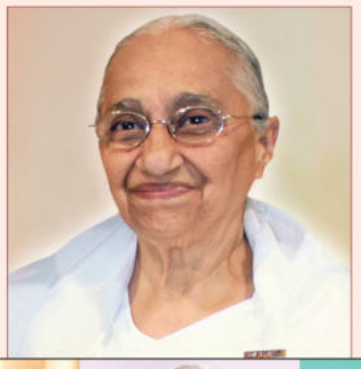

की निदेशिका ब्र.कु. डॉ. निर्मला को भी संयुक्त मुख्य प्रशासिका का दायित्व सौंपा गया है। पूर्व में वे विशेषतौर पर ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में ईश्वरीय सेवाओं का कार्यभार देख रही थीं, लेकिन 12 वर्ष से वे संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू आ गयीं और ज्ञान सरोवर एकेडमी में निदेशिका के रूप में सेवाएं दे रही हैं।

कमेटी की बैठक में लिया गया। ब्र.कु. मोहिनी बचपन से ही इस संस्था के सम्पर्क में आयीं और तब से लेकर आज तक इस संस्थान में समर्पित होकर सेवाएं दे रही हैं। वे भारत सहित अमेरिका तथा पश्चिमी देशों में संस्थान के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं। इसके साथ ही संस्थान की कार्यक्रम प्रबंधिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी को संयुक्त मुख्य प्रशासिका बनाया गया। ब्र.कु. मुन्नी दीदी पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की निजी सचिव रही और वे पिछले 50 सालों से संस्थान में अपनी सेवायें दे रही हैं। संस्थान के कार्यक्रम से लेकर हर तरह का प्रबंधन इनके जिम्मे हैं। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ऑस्ट्रेलिया सेवाकेन्द्रों तथा ज्ञान सरोवर इसी कड़ी में पांडव भवन की प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. शशिप्रभा दीदी तथा राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष,मुम्बई को भी संयुक्त मुख्य प्रशासिका का दायित्व दिया गया है।

ये सभी बहनें मिलकर संस्थान के ईश्वरीय सेवाओं के साथ प्रशासनिक गतिविधियों के कार्यभार को सम्भालते हुए आगे बढ़ायेंगी।

'अच्छे दिन अवश्य आयेंगे' विषय पर ई कार्यक्रम का आयोजन

» पॉज़िटिविटी अनलिमिटेड...

दिल्ली-लोधी रोड | आज हरेक के मन में यही प्रश्न है कि अच्छे दिन कब आयेंगे या जीवन में कोरोना जैसी महामारी का संकट हमेशा बना रहेगा? इन प्रश्नों से लगातार लोगों में नकारात्मकता बढ़ती जा रही है और जीवन के प्रति उदासीनता व निराशा आती जा रही है। ऐसे में दिल्ली के लोधी रोड सेवाकेन्द्र द्वारा 'पॉज़िटिविटी अनलिमिटेड - 'अच्छे दिन अवश्य आयेंगे' विषय पर ई प्रोग्राम का आयोजन कर लोगों में सकारात्मकता और उमंग-उत्साह लाने का प्रयास किया गया। इस ई प्रोग्राम में अफ्रीका की डायरेक्टर ब्र.कु. वेदांती और इज़ेकील इसाक मालेकर,ज्यूइश कम्युनिटी हेड दिल्ली ने अपने अनुभव के ज़रिए सदा पॉज़िटिव रहने की प्रेरणा दी।

मुख्य वक्ताओं के पश्चात लोधी रोड सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गिरिजा ने कॉमेंट्री द्वारा राजयोग का अभ्यास कराया तथा मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. पीयूष ने कहा कि नज़र बदलो तो नज़ारे बदल जायेंगे, इसलिए सदा सकारात्मक रहें और मुस्कुराते रहें।

एशिया पैसिफिक क्षेत्र में राजयोगी के लिए रिट्रीट का आयोजन

मलेशिया | एशिया पैसिफिक रीजनल ब्रदर्स रिट्रीट 2021 'ईश्वर के दर्शन को पूरा करना- असाधारण बनना" विषय पर त्रि-दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एशिया प्रशांत क्षेत्र के ब्रह्माकुमार भाई-बहनों के द्वारा आध्यात्मिक जिविका के साथ मदद करने के शुद्ध इरादे से किया गया। जिसमें करीब एशिया प्रशांत क्षेत्र के विभिन्न देशों के 220 लोगों ने भाग लिया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में छह भाषाओं में अनुवाद की सुविधा उपलब्ध करायी गयी। ब्र.कु. चार्ली हॉग,आस्ट्रेलिया, ब्र.कु. केन ओ' डोनेल,ब्राज़ील, ब्र.कु. मार्सेलो, कोलंबिया तथा भारत से राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा,मधुबन सहित दुनिया भर के वरिष्ठ वक्ताओं को रिट्रीट के लिए आमंत्रित किया गया, जिन्होंने आध्यात्मिक विकास के लिए प्रासंगिक विभिन्न विषयों पर भी बात की। ब्र.कु. चार्ली हॉग ने कहा कि बाबा की उम्मीदों पर खरा उतरने में, विभिन्न बाधाओं को दूर करने के लिए, विभिन्न

परिस्थितियों और बाधाओं को पार करते हुए स्वयं को सुरक्षित रखते हुए काम करने पर ज़ोर दिया। आज के माहौल में हमें सम्पूर्ण विश्व को सही मार्ग प्रशस्त करना होगा। ताकि वे भी विभिन्न परिस्थितियों को सहज रीति से पार कर सकें। ब्र.कु. केन ओ' डोनेल,ब्राज़ील ने वर्तमान महामारी के दौरान दुनिया की स्थिति को साझा किया और कहा कि हमें विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए राजयोग शक्ति पर काम करना चाहिए और अपने अनुभवों से अन्य को भी सहयोग करना चाहिए। राजयोगिनी ब्र.कु. उषा,मधुबन ने महाभारत में वर्णित पांच पांडवों के पात्र के महत्व को समझाते हुए, ये वर्तमान समय कैसे प्रासंगिक है उस पर प्रकाश डाला। और उन्होंने विश्व चक्र में परमात्मा के महापरिवर्तन के कार्य जो वर्तमान समय चल रहा है उसकी भी जानकारी दी। ब्र.कु. मार्सेलो,कोलंबिया ने राजयोग का अभ्यास करने वाले भाईयों की भूमिका पर ज़ोर दिया और विशिष्ट उदाहरणों के रूप में ब्रह्मा बाबा और वरिष्ठ भाइयों पर प्रकाश डाला। राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. निर्मला ने इस ईश्वरीय यज्ञ के इतिहास में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के राजयोगी भाईयों के महत्व पर प्रकाश डाला। त्रिदिवसीय रिट्रीट के दौरान विभिन्न दिलचस्प विषयों के तहत पैनल, साक्षात्कार, संवाद और आध्यात्मिक चिट-चैट में वरिष्ठ शिक्षकों की एक सारणी भी शामिल रही। सभी प्रतिभागियों को शामिल करने के प्रयास में, एक ऑनलाइन कार्यशाला और रचनात्मक गतिविधि का आयोजन किया गया, जो सभी के द्वारा बहुत पसंद किया गया। सभी वक्ताओं की सामान्य प्रवृत्ति आध्यात्मिक लचीलापन विकसित करने, व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से भविष्य की चुनौतियों का सामना करने और परमात्मा की आशाओं को पूरा करने पर ध्यान देने का महत्व है। अनुभवों को साझा किया और भविष्य में इस तरह के कार्यक्रमों को अधिक बार आयोजित करने की भावना के साथ समाप्त किया गया। ▪▪▪

वेबिनार के निष्कर्ष बिन्दु

- स्व-सुरक्षा के साथ औरों की भी सुरक्षा
- इस महामारी के दौर में हमारा सहयोग
- जीवन में राजयोग के महत्व को समझना
- बिना विचलित हुए परिस्थितियों को पार करना
- परमात्मा के कार्य से सबको वाकिफ कराना